कन्हैयालाल की तरह कर्नाटक में भाजपा नेता की गला रेत कर हत्या

मेंगलरु, 27 जुलाई (वार्ता)। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में भारतीय जनता युवा मोर्चा के एक नेता प्रवीण नेट्टारू की मंगलवार देर रात धारदार हथियारों से प्रहार कर हत्या कर दी गयी। जानकारी के मुताबिक प्रवीण नेट्टारू ने उदयपुर के कन्हैयालाल के समर्थन में सोशल मीडिया पोस्ट की थी।

इस घटना के बाद इलाके में तनाव

- **भाजपा युवा मोर्चा के नेता प्रवीण नेट्टारू ने उदयपुर के कन्हैयालाल के समर्थन में सोशल मीडिया पोस्ट की थी।**

व्याप्त हो गया और प्रशासन ने कडबा, पूट्टूर और सुल्लिया में धारा 144 के अन्तर्गत निषेधाग्या लागू कर दी है। इस मामले में आठ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

पुलिस ने इलाके में दुकानें, व्यापारिक प्रतिष्ठान, होटल आदि बंद करा दिये हैं। वारदात के बारे में जानकारी के अनुसार प्रवीण बेल्लारे में मंगलवार की रात चिकन की दुकान बंद कर रहे थे कि इसी बीच वहां मोटर साइकिल पर कुछ अज्ञात व्यक्ति आये और उन पर हमला कर दिया।

'भरत सिंह को चिट्ठी मंत्री बना दें ताकि मंत्रिपद ना मिलने की इनकी पीड़ा मिट सके'

लगातार सरकार को चिट्ठियां लिखने वाले भरत सिंह पर आरोप लगाते हुए पूर्व विधायक हीरालाल नागर ने चिट्ठा खोला

- **पूर्व विधायक का आरोप है कि, सांगोद विधायक की छत्र-छाया में ब्लॉक अध्यक्ष अवैध शराब माफियाओं से मिलकर जनता को गड्ढे में झोंकने का गलत काम करते आ रहे हैं।**

जयपुर, 27 जुलाई (का.प्र.)। कोटा के सांगोद से कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री भरतसिंह कुन्दनपुर की ओर से बार-बार चिट्ठी लिखने की आदत के बाद उन्हें अब राजस्थान सरकार में चिट्ठी मंत्री बनाने की मांग उठी है और यह मांग उठाने वाले और कोई नहीं भाजपा के पूर्व विधायक हैं जोकि इस बार भरत सिंह के सामने चुनाव हार गए थे।

दरअसल भरत सिंह कुंदनपुर की आदत लगातार सरकार को चिट्ठियां लिखने की रही है तो इस बार भरत सिंह ने सरकार को चिट्ठी लिखने की बजाय लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और भाजपा के पूर्व विधायक हीरालाल नागर को संबोधित करते हुए एक चिट्ठी लिख दी,तो दूसरी ओर हीरालाल नागर ने भी जनता के बीच भरत सिंह की चिट्ठी के बाद का उनका कच्चा चिट्ठा खोलकर रख दिया है। दरअसल भरत सिंह कुन्दनपुर ने अपने लैटर हेड पर पत्र लिखते हुए संबोधित किया था कि "मित्रों, आज मैंने एक रोचक खबर पढ़ी, जो मुझसे संबंध रखती है। सांगोद के पूर्व विधायक का सुझाव आया है कि सरकार को लहसुन खरीदने के लिए मैं पत्र लिखूं। सुझाव के लिए धन्यवाद। एक कहावत है हाथी के पैर में सबका पैर। लोकसभा अध्यक्ष लहसुन की खरीद पर बड़े-बड़े बोल बोल चुके हैं। इसलिए अब मेरा बोलना क्या मायने रखता है। सांगोद के इस हीरे को मेरा यह सुझाव है कि आपके पास और सेठ बिरला जी के पास इतना धन है कि सरकार की जगह आप दोनों मिलकर हाड़ौती का सारा लहसुन समर्थन मूल्य पर खरीदकर केबल नगर फैक्ट्री में भरकर रख लें। इसी से आपका और किसान का भला होगा।"

भरत सिंह का यह पत्र सामने आते ही पलटवार करते हुए पूर्व विधायक हीरालाल नागर ने लिखा कि "सांगोद विधायक को सरकार में मंत्री पद नहीं मिल पाने के कारण वह जब से विधायक बने हैं, तब से अपनी ही पार्टी की कांग्रेस सरकार के खिलाफ फड़फड़ाते नजर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अपने मंत्रालय में एक और नया पद "क्रीएट" करते हुए सांगोद विधायक को "चिट्ठी मंत्री" के पद पर सुशोभित करना चाहिए, ताकि उनके मन की मंत्री पीड़ा को राहत मिले।

इसी के साथ नागर ने लैटर में लिखा कि "सांगोद विधायक भरत सिंह कुंदनपुर का पत्र सोशल मीडिया से पढ़ा। मेरे सुझाव पत्र के जवाब में लहसुन खरीद पर सरकार को पत्र लिखने की जगह आपने पत्र में लिखा कि "सांगोद के इस हीरे को मेरा सुझाव है कि आपके पास और सेठ बिरला जी के पास इतना धन है कि सरकार की जगह आप दोनों हाड़ौती का सारा लहसुन मिलकर खरीदकर केबल नगर फैक्टरी में भर कर रख लें। इसी में आपका और किसान का भला होगा।" यह विधायक जी का सुझाव है। इससे पता चल रहा है कि सांगोद विधायक को मौजूदा कांग्रेस सरकार के नेता और अधिकारी कोई महत्व नहीं दे रहे हैं, जिसके कारण वह बौखला गए हैं। वह विकास और जनहित के मुद्दों पर काम न करके अपनी ही सरकार और देश के सम्मानित लोकसभा अध्यक्ष की गरिमा पर प्रहार कर ओछी भाषाशैली से जनता के जनमत को नीचा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

नागर ने कहा कि जिस तरह धृतराष्ट्र अपने पुत्र मोह में इतना अंधे थे कि उन कौरवों और दुर्योधन के अनैतिक काम और पाप कभी नजर नही आते थे। धृतराष्ट्र की तरह आपको भी पुत्र मोह है या नहीं, मुझे जानकारी नहीं है, लेकिन आपका जो सांगोद ब्लॉक अध्यक्ष से विचित्र प्रेम है, वो भी धृतराष्ट्र से कम नहीं है। आप भी उसके विचित्र प्रेम में इतने अन्धे हो कि उसके गलत काम आपको नजर आते हुए भी आप अंधे बनकर धृतराष्ट्र बने बैठे हो। आपकी ओर से लिखी गई कहावत- "कांख में छोरा गांव में ढिंढोरा" की कहावत आप खुद पर ही सटीक साबित होती है। उन्होंने कहा कि कोटा जिले में सबसे बड़ा खनन माफिया सांगोद ब्लॉक अध्यक्ष है, जिसकी ग्राम पंचायत मामोर में बजरी के अवैध खनन में काम करते पिछले साल 1 मजदूर की मौत हो गई। लेकिन आपने धृतराष्ट्र रूप धारण किया हुआ है। उन्होंने लिखा कि आपणी हाड़ौती कहावत है "बरजी भट्टा खाव, ओरा न परहेज बतावा।" सांगोद

विधायक की छत्र-छायां में सांगोद ब्लॉक अध्यक्ष अवैध शराब माफियाओं से मिलकर विधानसभा की भोली भाली जनता को गड्ढे में झोंकने का गलत काम पिछले कई सालों से करते आ रहे हैं। आबकारी कर्मचारियों को खौफ है कि अगर वो कोई कार्यवाही करें, तो आप उनका तबादला करवाकर पूर्व जिला आबकारी अधिकारी शम्भू दयाल मीणा की तरह कहीं डूंगरपुर-बांसवाड़ा तो नहीं करवा देंगे। सांगोद विधानसभा में रिकॉर्डतोड़ भ्रष्टाचार फैला है, जिससे जनता अपने आपको घोर ठगा महसूस कर रही है।

सांगोद विधानसभा में आपके लगाए गए विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के भ्रष्टाचार के मामले सभी के सामने उजागर हैं, जो आए दिन एसीबी में ट्रैप हो रहे हैं।

राहुल गांधी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गए कि उन्होंने 57 सांसदों को गिरफ्तार करवा दिया और 23 को निलंबित करवा दिया।

प्रश्नः

1. पिछले 45 वर्षों में सबसे ज्यादा बेरोजगारी क्यों है? प्रति वर्ष 2 करोड़ नौकरियां देने के वादे का क्या हुआ?
2. दही और खाद्य पदार्थ जैसी वस्तुओं पर जी.एस.टी. लगाकर जनता से दो वक्त की रोटी क्यों छीनी जा रही है?
3. खाद्य तेल, पैट्रोल, डीजल और गैस सिलैण्डर की कीमतें आसमान छू रही हैं। जनता को क्या राहत है?
4. एक डॉलर की तुलना में रूपए की वैल्यू 80 क्यों पार कर गई?
5. सेना में पिछले दो वर्षों में कोई भी भर्ती नहीं की गई। युवाओं को "अग्निवीर" के रूप में 4 वर्ष के करार के लिए क्यों बाध्य किया जा रहा है?
6. आप चुप क्यों हैं और लद्दाख तथा अरूणाचल प्रदेश के हमारे क्षेत्र में प्रवेश करने वाली चीन की सेना के लिए आप क्या कर रहे हैं?
7. आपने फसल बीमा के जरिए बीमा कम्पनियों को 40 हजार करोड़ रूपयों का लाभ कमाने में मदद की, लेकिन आप वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के बादे पर क्यों खामोश हैं?
8. किसानों से मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एम.एस.पी.) में संशोधन के वादे का क्या हुआ और किसान आंदोलन में जान गंवा चुके किसानों को क्षतिपूर्ति दिए जाने का क्या हुआ?
9. सीनियर सिटिज़न्स को रेल टिकटों में मिल रही 50 प्रतिशत छूट को क्यों खत्म किया गया? जब खुद के प्रचार में इतना धन खर्च किया जा चुका है तो सीनियर सिटिज़न्स के लिए धन क्यों नहीं है?
10. वर्ष 2014 में भारत सरकार पर जहां 56 लाख करोड़ रू. का कर्ज था, वह अब तेजी से बढ़कर 139 लाख करोड़ हो गया है और मार्च 2023 में 156 लाख करोड़ हो जाएगा। देश को कर्जे में क्यों डुबो रहे हैं?

राहुल ने कहा कि उनकी सूची बड़ी है, लेकिन प्रधानमंत्री को पहले इन 10 प्रश्नों का उत्तर देने दीजिए। उन्होंने आगे कहा कि "कांग्रेस को भयभीत करने के प्रयास से ही आपकी जिम्मेवारी पूरी नहीं हो जाती। हम जनता की आवाज हैं और उसके मुद्दे उठाते रहेंगे।"

कांग्रेस की जनसुनवाई में हंगामा, धारीवाल ने नहीं मानी कांग्रेस पार्षद की बात

धारीवाल बोले-वे कुछ भी कहें, कुछ भी आरोप लगाएं। नगर पालिका ई.ओ. के तबादलों पर 15 जुलाई को ही बैन लगाया है, तबादला नहीं कर सकते

- **पार्षद, शाहपुरा पालिका के कांग्रेस पार्षद ईओ का तुरंत तबादला और अध्यक्ष के खिलाफ एसीबी जांच की मांग कर रहे थे।**

जयपुर, 27 जुलाई (का.प्र.)। राजस्थान कांग्रेस मुख्यालय में मंत्रियों की जनसुनवाई के दौरान भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा से आए कांग्रेस पार्षदों ने जमकर हंगामा किया।

इस दौरान पार्षदों और जनसुनवाई कर रहे नगरीय विकास मंत्री के बीच में कहासुनी हो गई और पार्षद जोर जोर से चिल्लाने लगे। मामला बढ़ता देख कर जनसुनवाई में मौजूद दूसरी मंत्री शकुंतला रावत ने पार्षदों को शांत किया और उनसे अलग से बात की।

दरअसल नगर पालिका शाहपुरा, भीलवाड़ा के कांग्रेस पार्षद और अन्य कांग्रेस नेता शाहपुरा नगर पालिका के अध्यक्ष के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए इसकी भी जांच कराने तथा ईओ को हटाने की मांग कर रहे थे। यह पार्षद जब जनसुनवाई में यूडीएच मंत्री से मिले, तो शाहपुरा के कांग्रेस नेताओं की धारीवाल ने मांग नहीं मानी और कह दिया कि ऐसे कोई ट्रांसफर नहीं होते ना किसी अधिकारी को ऐसे हटाया जाता है, इस बात पर पार्षद नाराज हो गए और हंगामा करते हुए चिल्लाने लगे। इस दौरान भीलवाड़ा के स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने मंत्री शांति धारीवाल पर भाजपा के नगरपालिका अध्यक्ष को भ्रष्टाचार के मामले में बचाने और भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश मेघवाल के इशारे पर काम करने के आरोप लगाए।

हंगामे के बाद शाहपुरा के कांग्रेस पार्षदों और स्थानीय नेताओं ने कहा कि हम एक साल से यूडीएच मंत्री से शाहपुरा के नगरपालिका अध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। नगरपालिका चेयरमैन के खिलाफ एसीबी में एक साल से केस दर्ज है, लेकिन यूडीएच मंत्री आगे कार्रवाई नहीं करने दे रहे हैं। मंत्री धारीवाल शाहपुरा में बीजेपी विधायक कैलाश मेघवाल के कहने से ही ईओ लगाते हैं, हमारी सुनवाई नहीं होती। हम नगरपालिका ईओ को हटाने की मांग कर रहे हैं, ईओ भाजपा विधायक की सलाह पर काम कर रहा है। नगरपालिका चेयरमैन के खिलाफ एसीबी में एक साल से मुकदमा चल रहा है लेकिन धारीवाल कार्रवाई नहीं होने दे रहे हैं। नगरपालिका चेरयमैन भ्रष्टाचार में डूबा है, लेकिन धारीवाल सुनवाई नहीं करते हैं, इसीलिए आज जनसुनवाई में आए हैं।

पार्षदों के हंगामे के बाद यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने कहा कि "वे कुछ भी कहें और कुछ भी आरोप लगा सकते हैं। नगरपालिका ईओ का तुरंत तबादला करवाना चाहते थे, लेकिन ईओ के तबादलों पर 15 जुलाई को ही बैन लगा दिया। तबादला नहीं कर सकते।" धारीवाल के साथ पीसीसी की जनसुनवाई में मौजूद उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने कहा कि "हमारा परिवार बड़ा है, बड़े परिवार में छोटे मोटे झगड़े चलते रहते हैं। मंत्रीजी इनके हैं और ये मंत्री के हैं। इन्हें मंत्रीजी से और मंत्रीजी को इनसे झगड़ने का अधिकार है।"

जनसुनवाई दौरान हंगामा करने पर भीलवाड़ा के कांग्रेस नेताओं और पार्षदों की वहां मौजूद सेवादल कार्यकर्ताओं के साथ झड़प भी हुई। हंगामा बढ़ता देख यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के साथ जनसुनवाई कर रहीं उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने बीच बचाव कर पार्षदों को शांत करवाया और उनकी बात सुनी।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि

'सरकार ने "मनी लॉण्डरिंग एक्ट" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने याद दिलाया कि, जब यू.पी.ए. सत्ता में थी, तो अनेक अवसरों पर, भाजपा सदस्यों ने किस तरह से संसद की कार्यवाही ठप्प कर दी थी, "लेकिन उस समय कभी भी ऐसा कठोर कदम नहीं उठाया गया था।" भाजपा के इन आरोपों की काट करते हुये कि, विपक्ष की संसद की चर्चा में रूचि ही नहीं है, गहलोत ने कहा, "जो सदस्य महँगाई, जी.एस.टी.-वृद्धि, बढ़ती बेरोजगारी तथा अग्निवीर के मुद्दे पर बहस कराये जाने की माँग कर रहे थे, उन्हें सदनों से निलम्बित कर दिया गया है।"

आज़ाद ने कहा कि, चूँकि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं है, इसलिये वे धरने में भागीदारी नहीं कर सके थे। उन्होंने कहा कि उनके पास कहने के लिये कोई नई चीज नहीं है, क्योंकि उनकी पार्टी के अधिकांश साथी पिछले एक महीने में सब कुछ कह चुके हैं।

लेकिन आज़ाद ने यह तो कहा कि, यह बात उनकी समझ से परे है कि जब इस केस से संबंधित सारे कागजात ई.डी. के पास पहले से ही हैं तो फिर "सोनिया जी से पूछताछ का तुक क्या है, जबकि वे उम्रदराज एवं अस्वस्थ हैं।" उन्होंने कहा, "उनके (ई.डी.) पास अब केवल तकनीकी सवालत बचे हैं।"

उन्होंने यह भी जानना चाहा कि, जब ई.डी. इस केस को बंद करने का निर्णय एक बार ले चुकी थी, तो फिर उसने इस केस को दोबारा क्यों खोला। उन्होंने कहा, "जब ई.डी. ने राहुल जी से पूछताछ कर ली थी, तो फिर सोनिया जी को बुलाने की जरूरत ही क्या थी।"

इस बीच, गांधी की ई.डी. से पूछताछ का विरोध कर रहे कांग्रेस के कई सांसदों और कार्यकर्ताओं को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया। जिन नेताओं को गिरफ्तार किया गया, उनमें राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी, गौरव गोगोई, के.सी. वेणुगोपाल, जयराम रमेश, शक्तिसिंह गोहिल, रणजीत रंजन और मनिकम टैगोर शामिल थे। उन्हें एक एक बस में किंग्सवे कैम्प पुलिस लाइन ले जाया गया।

कांग्रेस सांसदों ने विजय चौक से राष्ट्रपति भवन तक एक विरोध मार्च निकाला। गिरफ्तार किए गए कांग्रेस सांसद, मनीष तिवारी ने कहा कि, वे आम आदमी की आवाज संसद में उठाना चाहते हैं। ई.डी. की पूछताछ, कांग्रेस द्वारा प्रमोट की गई कंपनी, यंग इण्डियन प्राइवेट लिमिटेड में बरती गईं कथित वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित है। नैशनल हैरल्ड अखबार का मालिकाना हक यंग इण्डियन प्राइवेट लिमिटेड के पास है।

सरकार का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रकाशित की थी। वहीं इस "रिसर्च" पेपर में यह भी सामने आया कि, एन.ए.बी.एच. द्वारा प्रमाणित 945 अस्पतालों में से केवल 18 ऐसे अस्पताल थे, जो किसी मैडिकल कॉलेज से जुड़े हुए थे, यानी पूरे देश में ऐसे मैडिकल कॉलेज बहुत कम हैं, जिनके अस्पताल और लैब दोनों सरकारी एजेंसियों द्वारा प्रमाणित हैं। राजस्थान में एक भी ऐसे सरकारी अस्पताल या सरकारी कॉलेज से जुड़े अस्पताल की मैडिकल लैब नहीं है, जो केन्द्र सरकार की एजेंसियों द्वारा प्रमाणित हो। एक चिकित्सक ने, नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा, "अधिकांश मैडिकल विद्यार्थी सरकारी मैडिकल कॉलेजों में ही पढ़ते हैं और वे इन्हीं कॉलेजों में "करप्ट प्रैक्टिस" भी सीख लेते हैं और उसके आदी भी हो जाते हैं।"

बार में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की भूमिका से इन्कार किया था। फिर भी कांग्रेस नेता यह जानना चाहते हैं कि, मैन्यु में गाय के मांस के व्यंजनों का उल्लेख कैसे है, जबकि यह उनकी पार्टी के सिद्धांतों के खिलाफ है क्योंकि भाजपा गाय की हत्या के विरुद्ध है।

गोवा में गाय का मांस प्रतिबंधित नहीं है और इसे राज्य के कई रैस्तां में बेचा जाता है। अत: मंत्री इस बात को पकड़ कर यह कह सकती हैं, कि गाय के मांस के व्यंजन बेचना अवैध नहीं है।

महिला...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

द्वार की सीढ़ियों पर बैठे अन्य सांसदों में मानिकराम टैगोर (तमिलनाडु), टी.एन. प्रताप और राम्या हरिदास (दोनों केरल से) भी थे।" कांग्रेस सांसदों ने, राहुल गांधी एवं राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में, सरकार द्वारा कीमत वृद्धि और खाद्य पदार्थों पर बढ़ाई गई जी.एस.टी. की नई दरों जैसे सार्वजनिक महत्व के मुद्दे उठाने की अनुमति नहीं दिए जाने को लेकर महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास विरोध प्रदर्शन किया। संसद के आहाते से बाहर आकर उन्होंने निकट के विजय चौक पर गिरफ्तारी दी। यहां उन्हें मंगलवार को भी तब गिरफ्तार किया गया था, जब वे राहुल और खड़गे के साथ राष्ट्रपति भवन तक मार्च करने की कोशिश कर रहे थे। वे राष्ट्रपति को अवगत करवाना चाहते थे कि मोदी राज में क्या हो रहा है। एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) द्वारा सोनिया गांधी से तीसरे दिन भी पूछताछ की और इसके विरोध में सांसदों ने, "ई.डी. का दुरूपयोग बंद करो" के बैनर उठा रखे थे।

'तृणमूल के 38 विधायक पार्टी छोड़ना चाहते हैं'

कोलकाता, 27 जुलाई। बीते साल विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के जरिए बंगाल की राजनीति में एंट्री करने वाले मिथुन चक्रवर्ती ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने दावा किया है कि टीएमसी के 38 विधायक भाजपा के संपर्क में हैं।

डब्ल्यु.एच.ओ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की चुनौतियों को देखते हुए इसके कई केस अचिन्हित भी हो सकते हैं।हाल ही मिले केसों का जो अध्ययन किया जा रहा है, उसके अनुसार मंकीपॉक्स के प्रसार का कारण मानव से मानव संपर्क माना जा रहा है। मंकीपॉक्स से ग्रसित किसी व्यक्ति के साथ "इन्टिमेट कॉन्टैक्ट" से आपको अधिक खतरा हो सकता है, बजाए उस स्थिति के जिसमें आप किसी संक्रमित व्यक्ति के आसपास हों। किसी भी स्थिति में, इसके लिए उचित निरोधक (प्रिवैंटिव) उपाय करने की जरूरत है। डब्ल्यु.एच.ओ. द्वारा मंकीपॉक्स प्रकोप को एक वैश्विक आपात स्थिति घोषित किए जाने के कारण इसको लेकर बहुत चिंताए और गलत जानकारियां प्रकट की जाती रही हैं। हाल ही मिले केसों के अनुसार, कोई भी व्यक्ति शारीरिक संपर्क, वीर्य, श्वसन कणों, लार, फफोलों और चकत्तों के कारण भी मंकीपॉक्स से संक्रमित हो सकता है।

महाराष्ट्र में 30 जून से नयी सरकार ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पड़ा। भाजपा अध्यक्ष जे.पी.नड्डा ने उनसे साफ कह दिया था कि, यह कोई प्रस्ताव या पेशकश नहीं है जिससे वे इनकार कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने फड़नवीस से कह दिया था कि, शिन्दे सरकार में शामिल न होना उनके कैरियर को सीमित कर देने वाला कदम सिद्ध हो सकता है। शाह ने उन्हें अपनी उदारता सिद्ध करने तथा शिन्दे सरकार को स्थायित्व प्रदान करने की सलाह दी। शाह ने फड़नवीस की आशाओं को जीवित रखते हुए आश्वासन दिया था कि, राजनीति में कभी भी आश्चर्यों की कमी नहीं रहती, यह सदैव आश्चयों से भरी रहती है।

भाजपा का केन्द्रीय नेतृत्व इस बात को लेकर चिन्तित था कि फड़नवीस मुम्बई में एक प्रतिद्वन्द्वी सत्ता केन्द्र बन सकते हैं। फड़नवीस इस समय साथ तो हैं, लेकिन हिस्सेदारी एवं जिम्मेदारी अभी तक दिखाई नहीं दे रही। परिणामस्वरुप, भारत के दूसरा सबसे बड़े औद्योगिक राज्य, महाराष्ट्र की सरकार को आज केवल दो व्यक्ति चला रहे हैं। कोई मंत्रिमंडल न होने की स्थिति में, एक विवादास्पद कार-शैड-प्रोजक्ट के लिये मुम्बई के आरे जंगल में पेड़ों को काटने का निर्णय ले लिया गया है। ठाकरे ने इस प्रोजेक्ट को पर्यावरण के लिहाज से अनुपयुक्त बताते हुए नकार दिया था।

यह दो सदस्यीय मंत्रिमंडल, कम से कम पाँच बार, दिल्ली के चक्कर लगा आया है, तथा शाह और नड्डा से मुलाकात की है, मंत्रालयों को लेकर आ रहे गतिरोध को समाप्त करवाने के लिए। लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई सफलता नहीं मिली है।

शिन्दे सार्वजनिक निर्माण विभाग, गृह तथा वित्त जैसे "बड़े" मंत्रालयों को अपने नियंत्रण में लेने पर अड़े हुये हैं। फड़नवीस, दूसरे नम्बर के पद के साथ समायोजन बिठाते हुये, उदारता दिखाने के बावजूद, थोड़ा भारी -भरकम मंत्रालय ही चाहते हैं।

भाजपा महाराष्ट्र विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी है तथा पार्टी के शिन्दे विरोधी गुट, भाजपा को शून्य जवाव देही तथा शून्य सत्ता की बात कह कर नुक्ता चीनी कर रहे हैं। भाजपा विधायक अपने असंतोष एवं कुंठा को व्यक्त करते हुये कह रहे हैं कि "हमें क्या मिला," क्योंकि फड़नवीस को कम से कम उपमुख्यमंत्री पद की सारी सुख-सुविधाएं तो मिल गईं।

फड़नवीस और शिन्दे अपने कानूनी विशेषज्ञों के साथ भी घंटों विचार-विमर्श कर रहे हैं क्योंकि उद्धव ठाकरे गुट ने सर्वोच्च न्यायालय में केस दायर करके, नई सरकार की वैधता को चुनौती दे रखी है। इसके अलावा, ठाकरे गुट शिवसेना के चुनाव चिन्ह "तीर -कमान" के लिये भी संघर्षरत है।

महाराष्ट्र में शांतिपूर्ण सत्ता-परिवर्तन संभव बनाने के बाद, अब शिन्दे -समर्थक विधायक भी इस बदलाव का लाभ लेने के लिये उत्सुक एवं उतावले हो रहे हैं। आठ मंत्रियों सहित, 40 बदलबदलू विधायकों से उच्चतर दर्जे के वादे किये गये थे। शिन्दे के पास अब उन विधायकों के रोजाना फोन आ रहे हैं, जिनकी वजह से यह सत्ता परिवर्तन सम्भव हुआ था।

महाराष्ट्र विधानसभा सत्र के अगस्त में शुरु होने की संभावना है तथा शिन्दे और फड़नवीस दोनों ही चाहेंगे कि उससे पहले मंत्रिमंडल बन जाये।

बृहन्मुम्बई, म्यूनिसियल कॉर्पोरेशन (बी.एम.सी.) के सर्वाधिक महत्वपूर्ण चुनाव आने वाले हैं। ज्ञातव्य है कि बी.एम.सी. देश का सर्वाधिक धनवान निगम है, जिसका वार्षिक बजट 45000 करोड़ रु. का है। इस चुनाव में, ठाकरे-सेना तथा शिन्दे-सेना के बीच पहला चुनावी टकराव होगा तथा दोनों ही पक्ष इसमें अपनी पूरी ताकत लगा देंगे।

ठाकरे गुट के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि "सरकार तो बनती नहीं, बी.एम.सी. चुनाव जीतेंगे।"

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908